सीजीपीएल की समुदाय के लिए पहल

अहमदाबाद
ahmedabad@patrika.com

टाटा पावर की सहायक कंपनी सीजीपीएल ने मुंद्रा में समुदाय के लिए नियमित रूप से कई योजनाएं शुरू की हैं। समुदाय और पर्यावरण के लिए उठाए जाने वाले कंपनी के कदमों में समय पर स्वास्थ्य जांच, पशुपालन समर्थन, आजीविका आधारित जरूरत, ढांचागत विकास (सौर प्रकाश, उन्नत सड़कें), पानी और सफाई कार्यक्रम, शिक्षा समर्थन आदि शामिल हैं।

सुजान परियोजना

इस योजना का लक्ष्य कम्प्यूटर के जरिए शिक्षा प्रणाली बनाना है। यह परियोजना कच्छ जिले के मुंद्रा में 900 से अधिक छात्रों को शिक्षित करने में सफल रही है। एक साल से अधिक समय के बाद ' सुजान परियोजना ' ने अपने विभिन्न सहयोगपूर्ण तरीकों से छात्रों को कम्प्यूटर साक्षरता और शिक्षा में सक्रिय रूप से भाग लेने और इससे खुद को परिचित बनाने में मदद की है।

उत्कर्ष परियोजना

इस योजना में आर ओ संयंत्र लगाकर सुरक्षित पेयजल मुहैया कराना है, ग्रामीण ऊर्जा और जल प्रबंधन, आदर्श आंगनवाड़ी का निर्माण और दुग्ध संग्रहण केंद्र, खेती संबंधी गतिविधियां, सिंचाई और कई अन्य सुविधाएं मुहैया करा रही है। परियोजना की शुरूआत के दो महीने के भीतर ही बड़ी संख्या में लोगों ने उत्कर्ष को स्वीकार कर लिया है और इससे 14,755 लीटर दूध संग्रह के बदले 3,57,142 रुपए की आमदनी हुई जिसने 24 रुपए प्रति लीटर पर दूध की कीमत फिर से स्थापित की जो कि पहले की कीमत से काफी अधिक है।

गौशाला

इस कार्यक्रम के तहतमुंद्रा की दो पंचायतों में खाद्य आपूर्ति केंद्र स्थापित करके और गौशाला बनाकर एक नवीन और आदर्श मॉडल मुहैया कराया है। कंपनी के 13 एकड़ के क्षेत्र में गौशाला फैली हुई है जिसमें खाद्य सुरक्षा के दो और पशुओं के लिए पांच छप्पर हैं। इस समय इस गौशाला में 3000 गाय हैं जिनके लिए 4777 टन हरा खाद्य और 3942 टन सूखा खाद्य दिया जाता है।

स्वच्छ जल परियोजना

ग्रामीण लोगों की सुरक्षित एवं साफ पेयजल की जरूरत को समझते हुए परियोजना स्वच्छ जल शुरू की गई थी। इस परियोजना का मुख्य लक्ष्य इलाके के निवासियों को साफ और सुरक्षित जल मुहैया कराना है जिन्हें निकटवर्ती स्थानों में सुरक्षित पेय जल उपलब्ध न होने के कारण दूर जाना पड़ता है।

सूर्य प्रकाश परियोजना

सीजीपीए ने सूर्य प्रकाश परियोजना के तहत मछुआरों के गांव मोधवा में नौकाओं में रोशनी के लिए उपकरण लगाए हैं। इस परियोजना का लक्ष्य 65 नौकाओं में उपकरण लगाना है। इस समय इस प्रणाली के तहत वे दिन में तीन बार समुद्र में जा रहे हैं जिससे उनके द्वारा पकड़ी मछलियों की संख्या काफी बढ़ गई है। इस व्यवस्था से अन्य समुद्र में अन्य नौकाओं से टकराने की संभावना भी कम हो जाएगी।

शिक्षा सारथी परियोजना

कंपनी ने छात्रों को सरकार की ओर से प्रायोजित जारी कार्यक्रम में भाग लेने का मौका मुहैया कराया है ताकि बच्चों को अच्छी शिक्षा मिल सके और उनका भविष्य सुरक्षित हो सके।

स्वयं सेवा समूह (एसएचजी)

यह पहल 227 ग्रामीण महिलाओं को लघुवित्तीय गतिविधियों के जरिए मदद करती है और दृष्टिहीनता की रोकथाम कार्यक्रम समेत स्वास्थ्य प्रबंधन को 224 लोगों तक पहुंचा रही है। भविष्य में कंपनी के प्रयासों में बाज़ार की कड़ियों के साथ संस्थाएं स्थापित करना और स्थानीय कलाकारों के लाभ के लिए मज़बूत ब्रांड बनाना, मछुआरों के लिए अच्छी आजीविका मुहैया कराना शामिल है।